आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 346 | उज्जैन, गुरुवार 06 नवम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

गुरु नानक जी का उपदेश मानवता की सेवा का है सर्वोच्च मार्ग–मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा में टेका मत्था, सबके कल्याण की कामना की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुर नानक जयंती के अवसर पर अरेरा कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। शबद कीर्तन (गुरुवाणी) का श्रवण किया और सभी देशवासियों को गुरुपरब की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वाहेगुरु जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सबके कल्याण की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी सामाजिक एकता, सद्भावना और सेवा भाव की मिसाल थे। उन्होंने मानवता की सेवा और सबके प्रति समानता का भाव रखने का जो संदेश दिया है, वह आज भी सर्व समाज के लिए प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का जीवन सत्य, करुणा और परोपकार का प्रतीक है। उनका जीवन संदेश समय की सीमाओं से भी परे है और मानवता की सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा-स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि म.प्र. सरकार गुरु तेग बहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस समाज की मंशा अनुसार धूमधाम से मनायेगी। मध्यप्रदेश सरकार सत्य के मार्ग पर चलने वाले गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान लिए हर जरूरी प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री गुरू नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू नानक देव जी साक्षात ईश्वर समान थे, उन्होंने संसार को मानवता, सेवा और कीर्तन की शिक्षा और सिख धर्म की स्थापना की। उन्होंने भारत में पदयात्रा तो की ही, यहां से बाहर निकलकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अरब तक सिख धर्म का प्रकाश पहुंचाया।

मैं सदमे में था... पूरा राज्य हमसे छीन लिया गया, राहुल गांधी ने फिर लगाए वोट चोरी के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा चुनाव को इलेक्शन कमीशन पर कई आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर हरियाणा चुनाव के दौरान वोट चोरी का आरोप लगाया है। इस खुलासे को H-Files का नाम दिया है। प्रेस कॉफ्रेंस शुरू होने से पहले पार्टी ने हाइड्रोजन बम लोडिंग कैप्शन के साथ एक पोस्ट किया था।

राहुल ने दावा किया है कि हरियाणा चुनाव से पहले 3.5 लाख वोटर्स का नाम डिलीट कर दिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कई ऐसे पते हैं जहां एक जगह पर 100 से ज्यादा मतदाताओं का नाम दर्ज है। राहुल गांधी ने कहा, ÷हमारे पास एच फाइल्स हैं और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरे राज्य में चोरी की गई। हमें संदेह था कि यह व्यक्तिगत निर्वाचन क्षेत्रों में नहीं, बल्कि राज्य स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है। हमें हरियाणा में, हमारे उम्मीदवारों से, बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है और काम नहीं कर रहा है। उनकी सारी एग्जिट पोल उल्टी हो गईं। हमने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में इसका एक्सपीरियेंस किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर जूम करने और वहां जो कुछ हुआ था, उसके बारे में विस्तार से जानने का फैसला किया।

शादी का मतलब ये नहीं कि पत्नी आपके कंट्रोल में रहे, बुजुर्ग दंपती की याचिका पर कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा कि भारतीय विवाह व्यवस्था को पुरुषवादी वर्चस्व की छांव से निकलकर समानता और परस्पर सम्मान की रोशनी में विकसित होना होगा। न्यायालय ने कहा कि खराब विवाहों में महिलाओं के अनुचित सहनशीलता ने पुरुषों की पीढ़ियों को महिलाओं को काबू करने और उन्हें अधीन करने की हिम्मत दी। न्यायाधीश ने यह टिप्पणी 1965 में विवाहित एक वृद्ध दंपत्ति के बीच वैवाहिक विवाद से संबंधित एक फैसले में की है।

न्यायालय ने कहा, ÷इस मामले में 80 बरस की हो चुकी पीड़िता भारतीय महिलाओं की उस पीढ़ी की प्रतीक है, जिन्होंने लगातार मानसिक और भावनात्मक क्रूरता को चुपचाप सहा, यह सोचकर कि सहनशीलता उनका गुण है और सहनशीलता उनका कर्तव्य है। इस तरह की अनुचित सहनशीलता ने पुरुषों की पीढ़ियों को पितृसत्तात्मक विशेषाधिकार की आड़ में नियंत्रण, प्रभुत्व और उपेक्षा का साहस दिया है। न्यायालय ने आगे कहा कि हालांकि अदालतें पारिवारिक विवादों के अति-अपराधीकरण के प्रति सतर्क रहती हैं, लेकिन घरेलू क्रूरता की अदृश्यता को भी दण्ड से मुक्ति की आड़ में नहीं आने दिया जा सकता।

तो क्या एयरोमॉडलिंग पर भी लग जाएगी रोक? ड्रोन बिल 2025 ने बढ़ाई IAMA की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रोन बिल 2025 एक बार फिर से चर्चा में है। इंडियन एयरोमॉडलर्स एसोसिएशन ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखते हुए कुछ प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। इस बिल के अधिनियम बनने के बाद स्कूलों और क्लबों की एयरोमॉडलिंग पर रोक सकती है, जिसपर IAMA ने आपत्ति जताई है।

IAMA के अनुसार, इस बिल में एयरोमॉडलिंग और ड्रोन को एक ही स्तर पर आंका गया है, जबकि दोनों में जमीन आसमान का अंतर है। ड्रोन का इस्तेमाल कमर्शियल, इंडस्ट्रियल और सर्विलांस के लिए होता है। हालांकि, एयरोमॉडलिंग को शिक्षा और रिक्रिएशन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे लोगों को पायलट, एयरक्राफ्ट इंजीनियर और एविएशन के क्षेत्र में जाने की प्रेरणा मिलती है।

ड्रोन बिल 2025 के अनुसार, भारत में एयरोमॉडलिंग पूरी तरह से खत्म कर दी जाएगी। IAMA ने सरकार के सामने इस प्रावधान को बदलने का प्रस्ताव रखा है। IAMA का कहना है कि रजिस्ट्रेशन, लाइसेंसिंग, सर्टिफिकेट और फ्लाइट की पर्मिशन जैसे प्रावधानों पर खरा उतरना एयरोमॉडलिंग के लिए मुमकिन नहीं है।

बिल में क्या हैं प्रावधान- ड्रोन बिल 2025 के अनुसार, कोई भी व्यक्ति यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर और रजिस्ट्रेशन के बिना अनमैन्ड एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकता है। इस नियम का उल्लंघन करने पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना या 1 साल की जेल हो सकती है। वहीं, प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने पर 3 साल तक की सजा और 1 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

मुंबई में पटरी से उतरकर हवा में लटका मोनोरेल का डिब्बा, दो लोगों की बची जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में मोनोरेल की टेस्टिंग के दौरान हादसा हो गया। परीक्षण के दौरान मोनोरेल पटरी से उतर गई और उसका आगे का कुछ हिस्सा हवा में उठ गया। ट्रेन के अंदर कोई यात्री नहीं था। जिस वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। टेस्टिंग के दौरान मोनोरेल में सिर्फ ड्रावर और एक इंजीनियर सवार थे। जिन्हें सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि वडाला डिपो स्टेशन के पास ट्रायल रन के दौरान एक नई मुंबई मोनोरेल रेक क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि ट्रेन के अंदर कोई यात्री नहीं था। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटना के वक्त मोनोरेल की टेस्टिंग हो रही थी और इसलिए उसमें कोई यात्री नहीं था।

सुबह 9 बजे की घटना- दुर्घटना सुबह 9 बजे की बताई जा रही है। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि मोनोरेल से चालक दल के दो सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में ट्रेन का पहला डिब्बा हवा में लटका दिखाई दे रहा है।

अलाइनमेंट क्षतिग्रस्त- महा मुंबई मेट्रो रेल ऑपरेशंस लिमिटेड ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, जब यह घटना हुई तब ट्रेन सिग्नलिंग परीक्षण से गुजर रही थी और उसे कुछ नुकसान हुआ। इस घटना में ट्रेन का अलाइनमेंट क्षतिग्रस्त हो गया।

चुनार स्टेशन पहुंचे स्टांप पंजीयन मंत्री, बोले - मृतकों के स्वजन को मिलेगी दो-दो लाख की सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनार स्टेशन पर ट्रेन से कटकर छह महिला श्रद्धालुओं की मौत की घटना की जानकारी लेने बुधवार को दोपहर 12.30 बजे चुनार स्टेशन पर स्टांप पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने घटनास्थल पर मौजूद डीएम पवन कुमार गंगवार व एसपी सोमेन बर्मा से घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस घटना पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार की तरफ से मृत महिलाओं के स्वजन को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

SC से लगा झटका, फिर मनरेगा पर नरम हुआ केंद्र; बंगाल में दोबारा शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में झटका लगने के कुछ ही दिनों बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में इस योजना को विशेष शर्तों के साथ फिर से शुरू करने पर विचार करने का फैसला किया है। तीन साल से अधिक समय से राज्य में बंद पड़ी इस योजना को दोबारा शुरू करने के लिए तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार लगातार केंद्र से गुहार लगा रही थी। अब जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक दोबारा इसकी शुरुआत हो सकती है।

इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर कहा है कि मंत्रालय ने पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री कार्यालय को सूचित किया कि वह विशेष परिस्थितियों के तहत पश्चिम बंगाल में मनरेगा को फिर से शुरू करने पर विचार कर सकता है। PMO ने मंत्रालय से इस मुद्दे पर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी।

यह घटनाक्रम 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र की विशेष अनुमति याचिका को खारिज किए जाने के बाद आया है। केंद्र ने कलकत्ता हाई कोर्ट के 18 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मनरेगा योजना को 1 अगस्त, 2025 से पश्चिम बंगाल में लागू करने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट से पहले हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को यह अधिकार दिया था कि वह राज्य में योजना के क्रियान्वयन के लिए विशेष शर्तें, प्रतिबंध और नियम लगा सके ताकि भविष्य में कोई अवैधता या अनियमितता न हो। केंद्र ने इस आदेश को चुनौती देते हुए 31 जुलाई को यानी हाई कोर्ट के आदेश के लागू होने से ठीक एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में SLP दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को इस याचिका को खारिज कर दिया।

केंद्र सरकार ने 9 मार्च, 2022 को MGNREGA अधिनियम, 2005 की धारा 27 का हवाला देते हुए पश्चिम बंगाल को फंड जारी करना बंद कर दिया था। इसका कारण केंद्रीय निर्देशों का पालन न करना बताया गया था। तब से राज्य में इस योजना के तहत कोई काम नहीं हुआ है।

भूकंप के बाद फिलीपींस में सुनामी से भारी तबाही, 66 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलीपींस अभी भूकंप के झटकों से उबरा भी नहीं था कि टाइफून कलामागी ने दस्तक दे दी है। दक्षिणी चीन सागर में आए इस चक्रवाती तूफान ने कई जिंदगियों को निगल लिया है। इस आपदा में 66 लोगों की जान चली गई और 26 से अधिक लोग घायल हैं।

इस चक्रवाती तूफान ने सेंट्रल फिलीपींस में भारी तबाही मचाई है। खराब मौसम और तूफान में हवाएं इतनी तेज थीं कि आपदा में फंसे लोगों की मदद के लिए जा रहा हेलीकॉप्टर भी क्रैश हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई।

तेज बहाव में बहे कई लोग- टाइफून कलामागी के दौरान 130-180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इससे जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। समुद्र का पानी लोगों के घरों में घुस गया। लहरों ने विकराल रूप धारण कर लिया था। बाढ़ के पानी में 49 लोग बह गए हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने बढ़ाई मुश्किल- टाइफून कलामागी ने सेंट्रल कीबू में भयंकर तबाही मचाई है। कई जगहों पर भूस्खलन देखने को मिला, जिसकी चपेट में आने से कई लोगों की मौत हो गई और 13 लोग अभी भी लापता हैं। खराब मौसम और बाढ़ के कारण इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना भी मुश्किल हो गया है।

कीबू में लोग लगातार मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन बाचव दलों का उन तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। चक्रवात का अंदेशा तो सभी को था, लेकिन बाढ़ के बारे में किसी ने दूर-दूर तक नहीं सोचा था। तेज बाढ़ में कई इमारतें धराशायी हो गईं और पानी के तेज बहाव में न सिर्फ लोग बल्कि घर और गाड़ियां भी बहते चले गए।

भूकंप ने मचाई थी तबाही- फिलीपींस सरकार के अनुसार, कीबू में लगभग 24 लाख लोग आपदा की चपेट में आए हैं। टाइफून की एंट्री के बाद फिलीपींस से एक के बाद एक डराने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले कीबू प्रांत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। इस दौरान कई लोगों के घर मलबे में तब्दील हो गए और उन्होंने टेंट में शरण ली थी। मगर, टाइफून कलामागी उन्हें भी अपने साथ बहा ले गया।

क्या है समोसा कॉकस? अमेरिका में मच रही इसकी धूम, जोहरान ममदानी और भारतीयों से है डायरेक्ट कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय मूल के दो मुस्लिमों ने इतिहास रचा है। गुजराती मूल के जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव में जीत दर्ज की है और हैदराबाद मूल की मुस्लिम महिला गजाला हाशमी ने वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीता है।

34 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर बने हैं। वह उस भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सबसे नया चेहरा बन गए हैं, जिसने मात्र 12 वर्षों में अमेरिकी चुनाव में जीत दर्ज करने वालों की संख्या में पांच गुना इजाफा देखा है।

किसे कहा जाता है समोसाकॉकस- उनकी इस जीत के बाद अमेरिकी राजनीति में अमेरिकी-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले समोसाकॉकस की चर्चा अब खूब हो रही है। अमेरिकी राजनीति में यह कॉकस लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है।

बता दें, अमेरिका में चाहे राज्य स्तर पर हो या संघीय स्तर पर निर्वाचित पद संभालने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय को ही समोसा कॉकस कहा जाता है। यह अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय-अमेरिकी सांसदों के एक समूह को दिया गया एक उपनाम है।

यह उपनाम उस चीज को दर्शाता है जिसमें साउथ एशियाई मूल के खासकर भारतीय मूल के विधायकों की बढ़ती संख्या शामिल है। यह उपनाम लोकप्रिय भारतीय नाश्ता समोसा का एक मजेदार संकेत है। यह शब्द 2018 के आसपास इलिनोइस के राजा कृष्णमूर्ति द्वारा अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकियों के बढ़ते प्रभाव का जश्न मनाने के लिए गढ़ा गया था।

चीन-पाकिस्तान के बीच बड़ी डील से समंदर में हलचल, भारत के लिए क्यों टेंशन है ये सौदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत को अरब सागर में चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। चीन चाहता है कि पाकिस्तान अरब सागर में भारत को चुनौती दे सके इसलिए वह हंगोर-क्लास पनडुब्बी दे रहा है।

पाकिस्तान की महत्वाकांक्षी हंगोर-क्लास पनडुब्बी प्रोजेक्ट 2026 तक पूरी होने की राह पर है। ये परियोजना चीन-पाकिस्तान नौसेना साझेदारी का मुख्य हिस्सा है। पाकिस्तानी नौसेना के चीफ एडमिरल नवेद अशरफ ने कहा कि यह परियोजना सुचारु रूप से चल रही है।

ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, अशरफ ने बताया कि चीन में दूसरी और तीसरी पनडुब्बी के हालिया लॉन्च ने दोनों देशों के बीच नौसेना सहयोग के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित किया है।

आठ पनडुब्बियों का सौदा- 2015 में इस्लामाबाद ने बीजिंग के साथ आठ हंगोर-क्लास पारंपरिक पनडुब्बियों की खरीद के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से चार पनडुब्बियां चीन में बनाई जा रही हैं, जबकि बाकी चार पाकिस्तान में असेंबल की जाएंगी। सभी आठ जहाज 2022 से 2028 के बीच डिलीवर किए जाएंगे।

नेहरू जी के शब्द याद आ रहे हैं..., ममदानी ने विक्ट्री स्पीच में क्यों किया पूर्व पीएम का जिक्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी ने बुधवार को चुनाव में अपनी जीत के जश्न में जवाहरलाल नेहरू के 1947 के मशहूर भाषण भाग्य से मिलन का जिक्र किया। ममदानी ने भारत की आजादी पर दिए गए भाषण में नेहरू के शब्दों का हवाला दिया, मुझे जवाहर लाल नेहरू के शब्द याद आ रहे हैं। इतिहास में एक ऐसा क्षण बहुत कम आता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग का अंत होता है और जब लंबे समय से दमित एक राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। आज रात, न्यूयॉर्क ने ठीक यही किया है। यह नया युग स्पष्टता, साहस और दूरदर्शिता की मांग करता है, किसी बहाने की नहीं। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने मंगलवार रात न्यूयॉर्क शहर के सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच दिया। वह इस पद को हासिल करने वाले पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई प्रवासी भी हैं। ममदानी ने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस सिल्वा को हराकर 50.4 प्रतिशत वोट हासिल किए। रिपोर्ट के अनुसार, ममदानी ने आर्थिक असमानता और जीवन-यापन की लागत से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के वादों के साथ चुनाव लड़ा। उन्होंने किराए पर स्थिर घरों में रहने वालों के लिए किराए पर रोक, किफायती आवास निर्माण, मुफ्त और तेज़ बस सेवा, मुफ्त चाइल्डकैअर, ऊँची खाद्य लागतों को कम करने के लिए शहर के स्वामित्व वाली किराना दुकानें और अमीरों पर करों में वृद्धि का वादा किया।

अंतरिक्ष में चीन का स्पेस स्टेशन मलबे से टकराया, चीनी यात्रियों की वापसी में होगी देरी

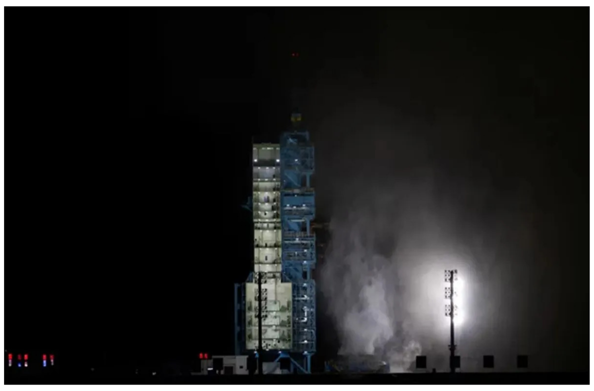

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन से मलबे का छोटा टुकड़ा टकरा गया है। इसके कारण वहां मौजूद चालक दल की निर्धारित वापसी में देरी होगी। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

हर महीने बदलता है चालक दल- चीन हर छह महीने में स्टेशन के चालक दल को बदलता है। शनिवार को, चालक दल को ले जा रहे शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 चालक दल के साथ अपनी कक्षा में वापसी पूरी कर ली और बुधवार को पृथ्वी पर लौटने वाला था।

वापसी स्थगित- स्टेशन पर तैनात तीन सदस्यीय चालक दल ने मंगलवार को अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां नए दल के सदस्यों को सौंप दीं। शेनझोउ-20 के तीनों सदस्य चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी ने अपने सभी नियोजित कार्य पूरे कर लिए हैं और उन्हें बुधवार को उत्तरी चीन के आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग लैंडिंग स्थल पर लौटना था। हालांकि, उनकी वापसी स्थगित कर दी गई है।

चीन ने पिछले शुक्रवार को शेनझोउ-21 चालक दल अंतरिक्षयान प्रक्षेपित किया था। इसके माध्यम से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा गया।

पाकिस्तान में रेड अलर्ट, जल-थल से हवा तक मुनीर की सेना एक्टिव; क्या भारत से है कनेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी द्वारा चलाए जा रहे युद्धाभ्यास को लेकर पाकिस्तान में खौफ का माहौल है। भारतीय सैनिकों के युद्धाभ्यास को लेकर पाकिस्तान में इस तरह भय का माहौल है कि असीम मुनीर की सेना ने रेड अलर्ट घोषित कर दिया है। भारतीय सेनाओं के द्वारा चलाए जा रहे युद्धाभ्यास से डरे पाक आर्मी चीफ फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर ने सभी कमांडरों को रियल टाइम अपडेट देने के आदेश दिए हैं। यही नहीं पाक की वायुसेना और नौसेना दोनों ही अपने-अपने मोर्चों पर अलर्ट है।

एयर बेस तथा समुद्री क्षेत्र में तैनाती को बढ़ा दिया गया है।

रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो भारत द्वारा किए जा रहे युद्धाभ्यास के बीच पाक सेना द्वारा जारी रेड अलर्ट पाकिस्तान की सैन्य नेतृत्व की चिंता को दर्शाता है कि भारतीय अभ्यास सीमा क्षेत्रों में रणनीतिक महत्व रखते हैं। पाकिस्तान की नई रणनीतिक मिसाइल कमांड भी पूरी तरह एक्टिव है, इससे देश के भीतर और सीमा पर किसी भी अप्रत्याशित स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। पाकिस्तानी सेना द्वारा यह तैयारियां मुख्य रूप से रक्षात्मक स्वरूप की हैं, ताकि हमले की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर की सेवानिवृत्ति का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे उनकी शक्तियों और पद को संवैधानिक रूप देने के लिए शहबाज सरकार कदम उठा रही है।

काम कर गया भारत का दबाव, जाकिर नाइक की बांग्लादेश में नो एंट्री; यूनुस सरकार बोली- भगोड़े को शरण नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय मूल के इस्लामिक कट्टरपंथी और भगोड़े जाकिर नाइक को बांग्लादेश में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। यह निर्णय मंगलवार को सचिवालय स्थित गृह मंत्रालय के बैठक कक्ष में कानून एवं व्यवस्था कोर कमेटी की बैठक में लिया गया है।

सूत्रों के हवाले से, दैनिक समाचार पत्र प्रोथोम अलो ने बताया कि बैठक में जाकिर नाइक की संभावित यात्रा पर चर्चा हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है, अगर जाकिर नाइक बांग्लादेश आते हैं, तो वहां भारी भीड़ होगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन कर्मियों की आवश्यकता होगी। जाकिर नाइक की बांग्लादेश यात्रा को देखते हुए, फिलहाल वहां इतने सारे सदस्यों को तैनात करने का कोई अवसर नहीं है।

कानून एवं व्यवस्था पर कोर कमेटी की बैठक गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी की अध्यक्षता में हुई। स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट नामक एक कंपनी ने हाल ही में अपने फेसबुक पोस्ट पर घोषणा की कि वे नवंबर के अंत में जाकिर नाइक को बांग्लादेश लाएंगे।

कंपनी ने कहा, स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट, डॉ. ज़ाकिर नाइक बांग्लादेश टूर 2025 का इकलौता अधिकृत आयोजक है। यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार की अनुमति और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.वाई. मेती का निधन, 79 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और बागलकोट से विधायक रहे एचवाई मेती का मंगलवार को निधन हो गया। पार्टी और अस्पताल सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने एक निजी अस्पताल में 79 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। परिजनों ने बताया कि मेती लंबे समय से सांस लेने संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.वाई. मेती का निधन- पूर्व मंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने अस्पताल का दौरा किया। बता दें एच वाई मेती बागलकोट शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रहे थे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि उनके पार्थिव शरीर को शाम को बागलकोट ले जाया जाएगा और बुधवार दोपहर को अंतिम संस्कार किया जा सकता है। एच.वाई. मेती ने 1989, 1994 और 2004 में जनता दल के सदस्य के रूप में गुलेदुड्डा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था।

कैसा रहा सियासी सफर- 1994 में चुनाव जीतने के उन्होंने वन मंत्री के रूप में काम किया था। इसके बाद साल 1996 में वे बागलकोट से सांसद भी चुने गए।

निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद उन्होंने 2008 में कांग्रेस के टिकट पर बागलकोट से चुनाव लड़ा था लेकिन उस दौरान वो चुनाव हार गए थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने दी श्रद्धांजलि- इसके बाद साल 2013 में फिर से चुनाव जीते और तत्कालीन सिद्दरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे। एच.वाई. मेती को मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के करीबी सहयोगियों में से एक माना जाता था।

तुम लोग सिख नहीं हो..., गुरु नानक जयंती पर पाकिस्तान ने 14 हिंदुओं को वापस भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 556वीं जयंती को लेकर पूरे देश में जश्न का माहौल है। खासकर गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं। वहीं, कई श्रद्धालुओं ने पाकिस्तान में स्थित गुरु नानक देव के जन्मस्थान ननकाना साहिब के भी दर्शन किए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने 14 श्रद्धालुओं को प्रवेश देने से साफ इनकार कर दिया है। गुरु नानक देव की 556वीं जयंती पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2,100 लोगों को पाकिस्तान के ननकाना साहिब जाने की अनुमति दी थी। इनमें 14 लोगों को पाकिस्तान में एंट्री नहीं मिली है। इस्लामाबाद का कहना है कि यह 14 लोग सिख नहीं थे, इसलिए इन्हें गुरुद्वारे में नहीं जाने दिया गया।

1900 लोगों ने पार किया बॉर्डर

मंगलवार को वाघा बॉर्डर के रास्ते 1,900 लोगों ने सीमा पार की थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच यह पहला मौका था, जब इतनी बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान पहुंचे थे। मगर, इनमें से 14 हिंदुओं को सिख न होने की वजह से एंट्री नहीं दी गई। यह सभी लोग पहले पाकिस्तानी नागरिक थे, जिन्होंने बाद में भारतीय नागरिकता ले ली थी।

बलिया में 2.17 लाख मिले डुप्लीकेट मतदाता, सूची से हटेंगे नाम

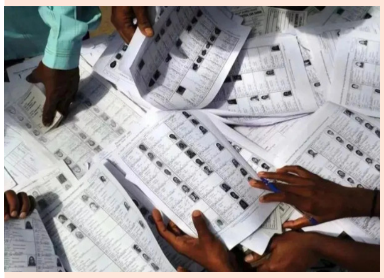

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 की तैयारी तेजी से चल रही है। जनपद के 940 ग्राम पंचायतों में कुल 25.36 लाख 822 मतदाता हैं, लेकिन मतदाता पुनरीक्षण अभियान में 17 ब्लाकों में संभावित 2.17 लाख 189 डुप्लीकेट मतदाता चिह्नित किए गए हैं। जांच के बाद इन सभी मतदाताओं का नाम हटाया जा रहा है।

बहुत से मतदाता ऐसे हैं जिनका दो अलग-अलग नाम सूची में शामिल है। सूची का अंतिम प्रकाशन होने से पूर्व डुप्लीकेट नाम हटाने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। प्रदेश से जारी सूची में बलिया में 6.21 लाख 974 मतदाताओं के डुप्लीकेट होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसको लेकर निर्वाचन अधिकारी की ओर से बीएलओ को लगाया गया है।

बीएलओ हर गांव में डुप्लीकेट मतदाताओं को चिन्हित कर रहे है। ग्राम पंचायतों में संभावित उम्मीदवारों की नजर परिसीमन पर टिकी हुई है। इस बार 1460 मतदान केंद्रों के 3919 बूथों पर मतदान कराने की तैयारी है। चुनाव के लिए पदवार मतपत्र भी एक सप्ताह के अंदर जिले में पहुंच जाएंगे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अभी राजनीतिक सक्रियता नहीं है।

उसे ढूंढ निकालो..., महादेव बेटिंग ऐप के प्रमुख के फरार होने पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव बेटिंग ऐप के भगोड़े को-फाउंडर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त आदेश जारी किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उसे ढूंढने का आदेश दिया है। कोर्ट का कहना है कि कोई व्हाइट कॉलर क्राइम करने वाला आरोपी जांच एजेंसियों के साथ नहीं खेल सकता है।

महादेव बेटिंग ऐप का मामला सामने आने के बाद इसके प्रमुख रवि उप्पल के दुबई में होने की खबर सामने आई थी। मगर, रवि सभी जांच एजेंसियों को चकमा देकर दुबई से भी फरार हो गया है। वो कहां है, यह कोई नहीं जानता। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंद्रेश और सतीश चंद्र शर्मा ने ईडी को रवि को ढूंढने की जिम्मेदारी दी है। कोर्ट का कहना है, यह चौंकाने वाला मामला है और अदालत को इसमें कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- रवि उप्पल लंबे समय से दुबई में रह रहा था। भारतीय एजेंसियां संयुक्त अरब अमीरात (٤श्च) पर रवि के प्रत्यपर्ण का दबाव बना रही थी। हालांकि, इससे पहले ही रवि किसी को बिना बताए दुबई से भी भाग निकला।

इस मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इन जैसे लोगों के लिए अदालत और जांच एजेंसियां महज खेलने की चीजें हैं। हमें इसमें कुछ करना होगा। हम उसकी याचिका खारिज करते हैं। उसे जल्द से जल्द ढूंढकर निकालो। उसकी पहुंच काफी लंबी है, तभी वो एक जगह से दूसरी जगह आसानी से चला जा रहा है।

22 मार्च को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई के दौरान रवि उप्पल को पेश होने का समन जारी किया था। हालांकि, रवि ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

एअर इंडिया का सर्वर देशभर में डाउन, दिल्ली एयरपोर्ट पर दिखी यात्रियों को लंबी कतार; मैनुअल तरीके से हुई चेकइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को देश कई एयरपोर्ट पर एअर इंडिया का सर्वर डाउन हो गया, जिसके कारण यात्रियों का काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सर्वर डाउन होने के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बोर्डिंग करने वाले यात्रियों की लंबी कतार देखने को मिली। दिल्ली एयरपोर्ट पर एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि देश के सभी हवाई अड्डों पर एअर इंडिया का सर्वर डाउन हो गया है। इसको जल्द ही सही कर लिया जाएगा।

दिल्ली के टर्मिनल- 2 पर यात्रियों की लगी भीड़- एयरपोर्ट पर मौजूद यात्रियों ने बताया कि दोपहर 3 बजे से ही टर्मिनल-2 पर सर्वर में समस्या देखने को मिल रही है। इससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। टी-2 से जाने वाले यात्री परेशान होकर इधर-उधर टहलते नजर आए। हवाई अड्डे पर मौजूद एअर इंडिया के कर्मचारी ने बताया कि सॉफ्टवेयर काम नहीं कर रहा है, जिसके कारण लगेज ड्रॉप नहीं किया जा पा रहा है।

कुछ यात्रियों ने दावा किया कि एअर इंडिया के सर्वर में कल से ही दिक्कत आ रही है। वहीं, संध्या नाम की एक पैसेंजर ने बताया कि वह कल देहरादून से दिल्ली आईं, उनकी विशाखापट्टनम की कनेक्टिंग फ्लाइट दिल्ली से थी; सर्वर में दिक्कत और विमान के लेट होने के कारण उनकी फ्लाइट छूट गई। जिसके कारण वह काफी परेशान हुई।

सॉफ्टवेयर में परेशानी आने के कारण अब एअरलाइन कंपनी ने मैनुअल तरीके से तिरुवनंतपुरम और पटना के लिए चेक इन शुरू की है। मैनुअल तरीके से चेक इन कराने के कारण प्रक्रिया काफी धीरे हो गई है।

महाराष्ट्र- लातूर में खौफनाक वारदात, खेत में सोते समय बाप-बेटे की हत्या; दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक किसान और उसके बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक यह वारदात जमीन के विवाद को लेकर हुई। घटना मंगलवार को अहमदपुर तहसील के रुध्दा गांव से सामने आई है।

पुलिस ने बताया कि मृकरों की पहचान शिवराज निवृत्ती सुर्णार और उनके बेटे विश्वनाथ शिवराज सुर्णार के रूप में हुई है। दोनों सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे अपने खेत पर बने झोपड़े में सोने गए थे।

रात में अज्ञात लोगों ने किया हमला- रात में कुछ अज्ञात लोगों ने पिता-पुत्र पर हमला कर दिया। दोनों के चेहरे, गर्दन और सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए गए। हत्या के बाद आरोपियों ने शवों को गांव की पानी की टंकी के पास फेंक दिया। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने जब यह देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। अहमदपुर पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों को भी बुलाया गया ताकि सबूत जुटाए जा सकें।

पिछ्ले साल भी घटी थी घटना- पुलिस ने मामले में नरसिंह भाऊराव शिंदे और उसके बेटे केरबा नरसिंह शिंदे को गिरफ्तार किया है। दोनों रुध्दा गांव के ही रहने वाले हैं और जमीन के विवाद को लेकर इनका सुर्णार परिवार से झगड़ा चल रहा था। पोस्टमार्टम के बाद श परिजनों को सौंप दिए गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछ्ले साल भी इसी गांव में बुजुर्ग दंपती पर इसी तरह से हमला हुआ था।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

उज्जैन संपूर्ण पृथ्वी पर एक ऐसी अद्भुत नगरी है

उज्जैन संपूर्ण पृथ्वी पर एक ऐसी अद्भुत नगरी है जिसका महत्व हर काल और समय में रहा है। भगवान महाकालेश्वर की महत्ता की अनेक कथाएं विभिन्न धर्मग्रंथों में मिलती हैं। उज्जैन से जुड़ी एक कथा महावीर, परम प्रतापी श्री हनुमान जी से भी जुड़ी हुई है। इस कथा के अनुसार महाकाल के सामने ही श्री हनुमान जी ने एक पांच वर्षीय बालक की महाकाल भक्ति से प्रसन्न होकर उसे यह वरदान दिया था कि उसकी नौवीं पीढ़ी में भगवान श्री नारायण अवतार लेगें और उनका नाम श्री कृष्ण होगा। संपूर्ण भारत में ज्योतिर्लिंगों की आराधना, उपासना एवं दर्शन की अति प्राचीन परंपरा है। यह सर्व विदित है कि ये सभी ज्योतिलिंग स्वयंभू हैं एवं इस धरती पर प्रगट हुई शिव की ज्योति के प्रतीक है। भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों जिन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है उनमें उज्जैन के महाकालेश्वर का अपना अलग अनूठा एवं अद्भुत महत्व है।

भूतभावन देवाधिदेव महादेव के उज्जैन में महाकालेश्वर के रूप में प्रतिष्ठित होने की कथाएं शिवपुराण में विस्तार से मिलती हैं। इसके अलावा वामन पुराण, स्कन्द पुराण, मत्स्य पुराण, भविष्य पुराण और सौर पुराण में भी भगवान महाकाल की महत्ता एवं वंदना के अनेक प्रसंग मिलते हैं।

शिवपुराण में वर्णित कथा के अनुसार पृथ्वी पर शिवजी को अत्यंत प्रिय, परमपुण्य दायी, संसार को पवित्र करने वाली और संसार के समस्त प्राणियों को मुक्ति दे देने वाली परम पावन अवंति नगरी (वर्तमान उज्जैन) में एक श्रेष्ठ ब्राह्मण अपने पुत्रों के साथ रहते थे। वे ब्राह्मण पिता - पुत्र

प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की पूजन किया करते थे। इस धर्मनिष्ठ ब्राह्मण के चार पुत्र देवप्रिय, प्रिय मेधा, सुकृत और सुव्रत थे।

इन सभी के पुण्य प्रताप से पृथ्वी पर निरंतर सुख बढ़ रहा था। उसी समय रत्नमाल पर्वत पर दूषण नामक एक असुर रहता था। उसने ब्रह्मा जी को प्रसन्न करके वरदान प्राप्त कर लिए और तपस्वियों और तथा ब्राह्मणों को सताने लगा। तब उज्जैन के इन शिवभक्त ब्राह्मणों ने धैर्य धारण करके पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की आराधना की और इस राक्षस से मुक्ति की प्रार्थना की। भक्त की पुकार से भगवान महादेव अपनी समाधि छोड़कर पार्थिव लिंग से प्रगट हुए और भयंकर गर्जना करते हुए दूषण राक्षस एवं उसकी सेना को भस्म कर दिया।

महाकाल ऽ समुत्पन्नो दुष्टानां त्वादृशामहम्।

खल त्व ब्राह्मणांना हि समीपाद् दूरतो व्रज॥

इत्युक्त्वा हुंकृतेनैव भस्मसात्कृत वांस्तदा।

दूषणं च महाकालऽ शंकरऽ सबलं द्रुतम॥

(स्कंद पुराण, कोटि रूद्र संहिता)

दूषण का वध करने के बाद ब्राह्मणों की प्रार्थना पर भगवान महाकाल ज्योतिर्लिंग स्वरूप में उज्जैन में स्थापित हो गये और वहां से चारों दिशाओं में एक कोस के परिमाण वाला स्थान महाकाल का कल्याण मय क्षेत्र हो गया। यहां आकर जो भी व्यक्ति जिस भी कामना से महाकाल की उपासना करता है उसकी वह इच्छा पूर्ण होती है। महकाल के दर्शन करने मात्र से मनुष्य को स्वप्न में भी कभी कोई दुख नहीं होता।

महाकालेश्वरो नाम शिवऽ ख्यातश्च भूतले।तं दृष्ट्वा न भवेत्स्वप्ने किंचिद्दःखमपि द्विजाः ।।(स्कंद पुराण) भगवान महाकाल की कृपा के वैसे तो पुराणों में कई वृतांत है जिनमे राजा चंद्र सेन और श्रीकर गोप का वृतांत भी काफी उल्लेखनीय है। पुराणों के अनुसार उज्जैन नगर (तब इसे उज्जयिनी नगरी कहा जाता था) में चंद्रसेन नामक एक राजा थे। वे बड़े प्रतापी एवं शिवभक्त थे। उनकी शिवभक्ति से प्रसन्न होकर महादेव के गण मणिभद्र ने उन्हें एक चिन्तामणि प्रदान की। उस मणि के प्रकाश से कांसा, ताँबा, पीतल, लोहा, शीशा और पत्थर तक स्वर्ण बन जाते थे। यह मणि दर्शन करने और ध्यान करने मात्र से ही कल्याण प्रदान करती थी।

नाना साहब

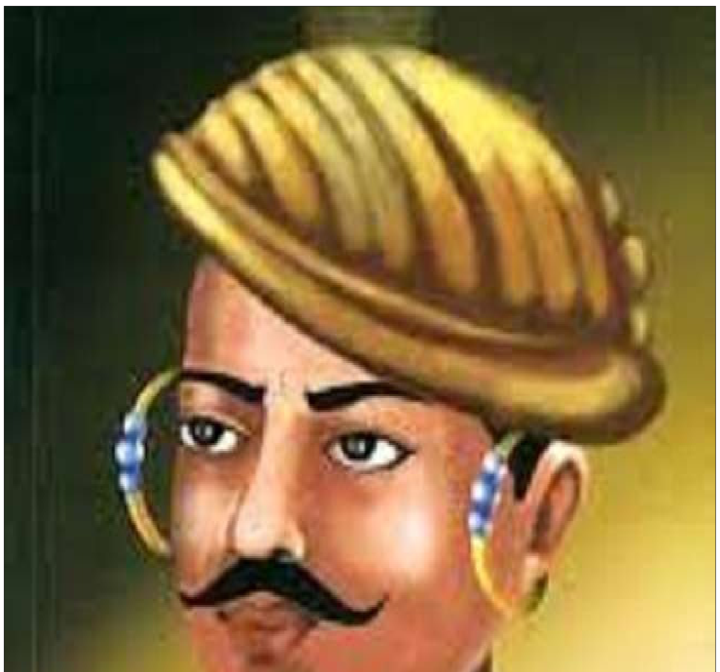

नाना साहब सन 1857 के भारतीय स्वतन्त्रता के प्रथम संग्राम के शिल्पकार थे। उनका मूल नाम धोंडूपंत था। स्वतंत्रता संग्राम में नाना साहेब ने कानपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोहियों का नेतृत्व किया। पेशवा बाजीराव बल्लाल भट्ट द्वितीय ने नाना साहब को गोद ले लिया था। इतिहास में नाना साहेब को बालाजी बाजीराव के नाम से भी संबोधित किया गया है। 1 जुलाई 1857 को जब कानपुर से अंग्रेजों ने प्रस्थान किया तो नाना साहब ने पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी तथा पेशवा की उपाधि भी धारण की। नाना साहब का अदम्य साहस कभी भी कम नहीं हुआ और उन्होंने क्रांतिकारी सेनाओं का बराबर नेतृत्व किया।

परिचय- नाना साहब ने 19 मई सन 1824 को वेणुग्राम निवासी माधवनारायण भट्ट के घर जन्म लिया था। इनके पिता पेशवा बाजीराव द्वितीय के सगोत्र भाई थे। पेशवा बाजीराव द्वितीय जिस समय दक्षिण छोड़कर गंगा तटस्थ बिठूर, कानपुर में रहने लगे थे, तब उनके साथ दक्षिण के पं. माधवनारायण भट्ट और उनकी पत्नी गंगाबाई भी वहीं रहने लगे थे। इसी भट्ट दम्पत्ति से एक ऐसे बालक का जन्म हुआ, जो भारत की स्वतन्त्रता के इतिहास में अपने अनुपम देशप्रेम के कारण सदैव अमर हो गया। पेशवा बाजीराव द्वितीय ने पुत्रहीन होने के कारण इसी बालक को गोद ले लिया था। कानपुर के पास गंगा तट के किनारे बिठुर (कानपुर) में ही रहते हुए, बाल्यावस्था में ही नाना साहब ने घुड़सवारी, मल्लयुद्ध और तलवार चलाने में कुशलता प्राप्त कर ली थी। अजीम उल्ला खाँ नाना साहब का वेतन भोगी कर्मचारी था।

पेंशन का रुकना- पेशवा बाजीराब को मराठा साम्राज्य छोड़कर कानपूर के पास बिठूर आना पड़ा था। इस समय तक अंग्रेजों ने भारत के एक बड़े हिस्से पर क़ब्ज़ा कर लिया था। इसी दौरान 28 जनवरी 1851 ई. को पेशवा बाजीराव की मौत हो गई। कहा जाता है कि मृत्यु तक पेशवा को 80 हजार डॉलर की पेंशन अंग्रेज़ सरकार से मिलती थी, लेकिन बाद में उसे रोक दिया गया। माना जाता है कि लॉर्ड डलहौजी ने नाना साहेब को दत्तक पुत्र होने के कारण पेंशन देने से मना कर दिया। ऐसे में नाना साहेब को इस बात से बहुत दुःख हुआ। एक तो वैसे ही उनके मराठा साम्राज्य पर अंग्रेज अपनी हुकूमत जमा कर बैठे थे, वहीं दूसरी ओर उन्हें जीवन यापन के लिए रॉयल्टी का कुछ भी हिस्सा नहीं दिया जा रहा था।

इसके बाद 1853 ई. में नाना साहेब ने अपने सचिव अजीम उल्ला ख़ाँ को पेंशन बहाली पर बात करने के लिए लंदन भेजा। अजीम उल्ला ख़ाँ हिंदी, फ़ारसी, उर्दू, फ्रेंच, जर्मन और संस्कृत का अच्छा ज्ञाता था। वह अंग्रेजों की क्रूर नीतियों का शिकार था, इसलिए नाना साहेब ने उसे अपना सचिव बना लिया था। इस दौरान अजीम उल्ला ने अंग्रेज अधिकारियों को समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उनकी सभी दलीलें ठुकरा दी गईं। ब्रिटिश अधिकारियों के इस रवैये से नाना साहेब बेहद खफा थे। ऐसे में उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध बगावत को ही सबसे अच्छा विरोध का माध्यम माना।

बगावत- उधर, मंगल पांडे के नेतृत्व में मेरठ छावनी के सिपाही अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का मन बना चुके थे। खबर उड़ती-उड़ती नाना साहेब के पास पहुंची तो इन्होंने तात्या टोपे के साथ मिलकर 1857 में ब्रिटिश राज के खिलाफ कानपुर में बगावत छेड़ दी। जब मई 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ज्वालायें उठीं, नाना साहब भी राष्ट्र मुक्ति संघर्ष में कूद पड़े थे। उन्होंने कानपुर पर अधिकार कर लिया। कई मास इस पर आज़ादी का झण्डा लहराता रहा। कानपुर पर फिर से अधिकार करने के लिए हेवलॉक ने विशाल सेना के साथ आक्रमण किया। उन्होंने कुछ समय तक शत्रु सेना से वीरता के साथ संघर्ष किया। अन्त में उनकी पराजय हुई। नाना साहब ने अपना साहस नहीं खोया और उन्होंने कई स्थानों में शत्रु सेना से संघर्ष किया। अन्त में जब 1857 का प्रथम संग्राम असफल हुआ, तब नाना साहब को सपरिवार नेपाल की शरण लेनी पड़ी। लेकिन वहाँ शरण ना मिल सकी, क्योंकि नेपाल दरबार अंग्रेज़ों को असन्तुष्ट नहीं करना चाहता था। जुलाई सन 1857 तक इस महान् देश भक्त को घोर आपत्तियों में अपने दिन व्यतीत करने पड़े। उनका स्वराज्य स्थापना का स्वप्न टूट चुका था।

सत्ती घाट नरसंहार- नाना साहेब और ब्रिटिश सेना के बीच की इस लड़ाई ने सत्ती चोरा घाट के नरसंहार के बाद और भी गंभीर रुख अख्तियार कर लिया। दरअसल, 1857 में एक समय पर नाना साहेब ने ब्रिटिश अधिकारियों के साथ समझौता कर लिया था, मगर जब कानपुर का कमांडिंग ऑफिसर जनरल विहलर अपने साथी सैनिकों व उनके परिवारों समेत नदी के रास्ते कानपुर आ रहे थे, तो नाना साहेब के सैनिकों ने उन पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद ब्रिटिश पूरी तरह से नाना साहेब के खिलाफ हो गए और उन्होंने नाना साहेब के गढ़ माने जाने वाले बिठूर पर हमला बोल दिया। हमले के दौरान नाना साहेब जैसे-तैसे अपनी जान बचाने में सफल रहे। लेकिन यहां से भागने के बाद उनके साथ क्या हुआ यह बड़ा सवाल है। इसे लेकर कुछ इतिहासकार कहते हैं कि वह भागने में सफल हो गए थे और अंग्रेजी सेना से बचने के लिए भारत छोड़कर नेपाल चले गए।

खजाने की तलाश- हालांकि रहस्य केवल नाना साहेब के गायब होने का नहीं है। बात उनके बेशकीमती खजाने की भी है। जिस समय अंग्रेजों ने नाना साहेब के महल पर हमला किया, तो उनके हाथ नाना साहेब तो नहीं लगे, लेकिन दौलत के भूखे अंग्रेजों ने उनके महल को कुरेदना शुरू कर दिया।अंग्रेज वहां किसी गुप्त खजाने की तलाश में थे। इसके लिए खासतौर पर रॉयल इंजीनियरों व लगभग आधी ब्रिटिश सेना को काम पर लगा दिया गया। खजाने की खोज के लिए अंग्रेजों ने कुछ भारतीय जासूसों की भी मदद ली। जिसके चलते वह खजाना ढूंढ पाने में लगभग सफल हो ही गए। महल में खोज के दौरान अंग्रेजों को सात गहरे कुएं मिले। जिनमें तलाशने पर उन्हें सोने की प्लेट मिली। इससे यह पक्का हो गया कि नाना साहेब का खजाना इन्हीं कुओं में कहीं छिपाया गया है।

इस दौरान सारा पानी निकाल कर जब कुंए की तलाशी ली गई, तो कुएं के तल में बड़े-बड़े बक्से दिखे, जिसमें सोने की कई प्लेटें, चांदी के सिक्के व अन्य बेशकीमती सामान रखा हुआ था। इतना बड़ा खजाना अंग्रेजों के हाथ लग चुका था, बावजूद इसके उनका मानना था कि नाना साहेब खजाने का एक बहुत बड़ा हिस्सा अपने साथ ले गए हैं।

मृत्यु- नाना साहब की मृत्यु को लेकर इतिहासकारों में मतभेद हैं। माना जाता है कि नेपाल के देवखारी गांव में रहते हुए नाना साहेब भयंकर बुख़ार से पीड़ित हो गए और इसी के परिणामस्वरूप मात्र 34 साल की उम्र में 6 अक्टूबर, 1858 को इनकी मौत हो गई। कुछ विद्वानों एवं शोधार्थियों के अनुसार क्रान्तिकारी नाना साहब के जीवन का पटाक्षेप नेपाल में न होकर गुजरात के ऐतिहासिक स्थल सिहोर में हुआ।

सिहोर के गोमतेश्वर स्थित गुफा, ब्रह्मकुण्ड की समाधि, नाना साहब के पौत्र केशवलाल के घर में सुरक्षित नागपुर, दिल्ली, पूना और नेपाल आदि से आये नाना को सम्बोधित पत्र, तथा भवानी तलवार, नाना साहब की पोथी, पूजा करने के ग्रन्थ और मूर्ति, पत्र तथा स्वाक्षरी; नाना साहब की मृत्यु तक उनकी सेवा करने वाली जड़ीबेन के घर से प्राप्त ग्रन्थ, छत्रपति पादुका और स्वयं जड़ीबेन द्वारा न्यायालय में दिये गये बयान इस तथ्य को सिद्ध करते है कि सिहोर, गुजरात के स्वामी दयानन्द योगेन्द्र नाना साहब ही थे, जिन्होंने क्रान्ति की कोई संभावना न होने पर 1865 को सिहोर में सन्यास ले लिया था।

Bitcoin में भारी गिरावट, 1 लाख डॉलर पर आया; जितनी तेजी से गिरा, वैसे ही करेगा रिकवर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिप्टो मार्केट में बुधवार को जोरदार गिरावट देखने को मिली। कभी 1,20,000 डॉलर की ऊंचाई छूने वाला बिटकॉइन लुढ़कर 1 लाख डॉलर के लेवल पर आ गया। जून के बाद यह इसका सबसे निचला स्तर है। ईथेरियम में करीब 6.7% और Solana में 3त्न की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं डॉजेकॉइन और एक्सआरपी जैसे टोकन भी नीचे आए। हालांकि, खबर लिखे जाने तक बिटकॉइन में थोड़ा सुधार आया और यह 1,01,939 डॉलर के लेवल पर ट्रेड करता दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह गिरावट वैश्विक मार्केट में बढ़ती बिकवाली और क्रिप्टो में अत्यधिक वैल्यूएशन के डर के कारण हुई है।

एनालिटिक्स फर्म CoinGlass के डेटा के अनुसार, इस हफ्ते 1.27 अरब डॉलर से ज्यादा की लीवरेज पोजीशंस लिक्विडेट हुई हैं। यानी, जिन ट्रेडर्स ने बढ़त पर दांव लगाया था, उन्हें भारी नुकसान हुआ। पिछले 24 घंटे में करीब 2 अरब डॉलर की पोजीशंस खत्म हो गई। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में दावा है कि अब कई ऑप्शन ट्रेडर्स बिटकॉइन के 80 हजार डॉलर तक गिरने की संभावना पर दांव लगा रहे हैं।

रिकवरी के क्या हैं आसार- एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह गिरावट अल्पकालिक झटका हो सकती है। जैसे-जैसे श्वञ्जस्न इनफ्लो और संस्थागत निवेश बढ़ेगा, क्रिप्टो मार्केट दोबारा रिकवर कर सकता है। Bitget के चीफ एनालिस्ट रायन ली के मुताबिक, यह सतर्क शांति क्रिप्टो मार्केट के लिए हेल्दी कंसॉलिडेशन फेज है। इससे सट्टेबाजी कम होगी और मार्केट में स्थिरता बढ़ेगी।

ली का कहना है कि अगर वैश्विक संकेत सुधरते हैं, तो बिटकॉइन 1,15,000 से 1,20,000 डॉलर तक जा सकता है, जबकि ईथेरियम 4,200 डॉलर के पास पहुंच सकता है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई के आंकड़े बाजार के लिए खतरा बने हुए हैं। ली का मानना है कि यह दौर क्रिप्टो इंडस्ट्री की लंबी अवधि की मजबूती की ओर इशारा करता है। वहीं, CoinCodex के अनुसार, बिटकॉइन 2026 तक लगभग 1,36,000 डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी मौजूदा स्तर से करीब 34त्न की बढ़त संभव है।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर खत्म! 1 लाख के पार जाएगा सेंसेक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक वित्तीय दिग्गज मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि भारतीय शेयर बाजार में हालिया सुधार अब समाप्त हो चुका है। उनके अनुसार, जिन कारणों से भारत का बाजार अन्य उभरते बाजारों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन कर रहा था, वे अब पलट रहे हैं।

मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जहां मैक्रोइकॉनॉमिक फैक्टर्स मुख्य भूमिका निभाएंगे और स्टॉक-पिकिंग की अहमियत घटेगी। रिपोर्ट के लेखक ऋद्धम देसाई और नयनत पारिख ने लिखा है कि भारत का विकास चक्र अब तेजी पकड़ने वाला है।

मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर एक reflation effort चला रहे हैं – यानी अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। जैसे- ब्याज दरों में कटौती, नकद आरक्षित अनुपात में कटौती, बैंकिंग नियमों में ढील, सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाना, सरकारी पूंजीगत व्यय का अग्रिम वितरण, 1.5 लाख करोड़ तक के जीएसटी दर कटौती। इसके साथ, चीन के साथ संबंधों में सुधार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावना भी बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माने जा रहे हैं।

अपने लिए सही Mutual Fund का चयन कैसे करें? निवेश करने से पहले एक्सपर्ट से जान लें सब कुछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में मिलने वाले आकर्षक रिटर्न को देखते हुए आज हर कोई इसे अपने पोर्टफोलियो में शामिल करना चाहता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 से 14 फीसदी है। हालांकि ये रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने अक्सर ये परेशानी आती है कि कौन-सा फंड हमारे लिए सही है? हमने इसे लेकर एक्सपर्ट से बातचीत की है। यूटीआई एएमसी के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एंड हेड ऑफ प्रोडक्ट्स, फरहाद गादीवाला से बातचीत की थी। उन्होंने निवेशकों को फंड चुनने से पहले कुछ खास बातों पर गौर करने के लिए कहा है।

किन बातों का रखें ध्यान- फरहाद गादीवाला का कहना है कि सही म्यूचुअल फंड का मतलब ये नहीं है कि पिछले रिटर्न के पीछे भागा जाए। इसके लिए कई कारकों का मूल्यांकन करना जरूरी है। सबसे पहले आपको ये देखना होगा कि निवेश करने का उद्देश्य क्या है और इसे समय-सीमा, जोखिम लेने की क्षमता का भी आकलन करना होगा।

उदाहरण से समझें- जैसे अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं और जोखिम सह सकते हैं, तो इक्विटी फंड सही ऑप्शन रहेगा। लेकिन अगर आप दो या तीन साल बाद निवेश कर फंड किसी कार्य में उपयोग करना चाहते हैं, जैसे शादी, पढ़ाई इत्यादि, तो हाइब्रिड और डेट फंड सही ऑप्शन रहेगा। ये आपको कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न दे सकता है।

रिटर्न नहीं, देखें रोलिंग रिटर्न- एक बार अपने एक कैटेगरी चुन लिया, अब आपको कई अन्य फैक्टर पर ध्यान देना होगा। जैसे ये न देखें कि 1, 2 और 5 साल में फंड ने कितना रिटर्न दिया है। बल्कि इस बार ध्यान दें कि मार्केट के उतार-चढ़ाव के समय फंड कैसा रिटर्न दे रहा है। इसके साथ ही अलग-अलग रिस्क फैक्टर जैसे शार्प रेश्यो को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

चार्जेज का भी रखें खास ध्यान- इसके साथ ही चार्जेज जैसे एक्सपेंस रेश्यो का ध्यान रखें। वहीं पोर्टफोलियो में कौन-कौन से सेक्टर जोड़े गए हैं, फंड मैनेजर और उसका प्रदर्शन कैसा रहा है, इन बातों का भी ध्यान रखें।

भारत के नामचीन पारसी परिवार, 150 साल से बिजनेस में बुलंद इनके ब्रांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय उद्योग जगत में टाटा समेत कई पारसी बिजनेस फैमिली का बड़ा नाम और रुतबा है। हालांकि, इनमें टाटा समूह सबसे शीर्ष पर है लेकिन क्या आप अन्य पारसी फैमिली को जानते हैं जिनका इंडियन कॉरपोरेट वर्ल्ड में बड़ा नाम है। भारत में पारसी कम्युनिटी अल्पसंख्यक है, लेकिन देश की बहुसंख्यक आबादी पर इन्होंने बड़ी छाप छोड़ी है, खासकर देश की औद्योगिक क्रांति में उनकी अहम भूमिका रही है। पारसी समुदाय, फारस से आए प्रवासियों के वंशजों का है, जो मध्यकाल में भारत आए और भारत को अपना घर बना लिया। आइये हम आपको कुछ प्रसिद्ध पारसी कारोबारियों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने भारत के औद्योगिक जगत पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

भारत के नामी पारसी फैमिलीज- जमशेद जी टाटा- भारत के प्रसिद्ध पारसी उद्योगपतियों में सबसे पहला नाम जमशेदजी टाटा का आता है, जो टाटा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के संस्थापक रहे। जमशेदजी टाटा, एक ऐसे उद्यमी रहे जिन्होंने भारत को एक अग्रणी राष्ट्र बनने में अहम योगदान दिया।

टाटा समूह के संस्थापक रहे जमशेद जी टाटा ने 1870 के दशक में मध्य भारत में कपड़े के कारोबार से टाटा समूह की नींव रखी, और आज की तारीख में टाटा ग्रुप, देश और दुनिया का नाम औद्योगिक घराना है।

आग लगने से 5700 करोड़ रुपये स्वाहा! US प्लांट में हुई घटना से इस भारतीय कंपनी को झटका, बड़े नुकसान की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आदित्य बिरला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को ने कहा है कि उसकी अमेरिकी यूनिट नोवेलिस के न्यूयॉर्क प्लांट में आग लगने से माइनिंग कंपनी के 2026 के कैश फ्लो पर 550 मिलियन डॉलर से 650 मिलियन डॉलर (लगभग 5761 करोड़ रुपये) का असर पड़ेगा। दुनिया की सबसे बड़ी एल्युमीनियम रिसाइक्लर कंपनी नोवेलिस ने बताया कि सितंबर में हुई इस घटना के कारण दूसरी तिमाही में नोवेलिस को 21 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, तथा कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में 27त्न की ग्रोथ हुई है।

16 सितंबर को न्यूयॉर्क के ओस्वेगो स्थित हिंडाल्को के नोवेलिस प्लांट में आग लग गई थी। हिंडाल्को ने पहले कहा था कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और आग हॉट मिल तक ही सीमित रही। दिसंबर के अंत तक इसके फिर से चालू होने और उसके बाद चार से छह हफ्ते में काम तेज़ होने की उम्मीद है।

कंपनी ने और क्या कहा- हिंडाल्को ने एक बयान में कहा, ओस्वेगो में ऑपरेशन को तेज़ी से और सुरक्षित रूप से बहाल करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही हैं, साथ ही ग्राहकों की परेशानी को कम करने के लिए ऑप्शनल रिसोर्सेज का भी इस्तेमाल कर रही हैं।÷

नोवेलिस के चेयरमैन और सीईओ स्टीव फिशर ने कहा, ÷इस अप्रत्याशित चुनौती के बावजूद हमें अपने बिजनेस की मजबूती और सुधार की अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।÷ उन्होंने कहा कि हम अपनी टीमों के क्विक रिस्पॉन्स और उद्योग जगत के साथियों व आपूर्तिकर्ताओं के सहयोग के लिए आभारी हैं।

घरों की कीमतें 19% तक बढ़ीं, दिल्ली-NCR में रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रहे दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रॉपर्टी की कीमतें Q3 FY2025 में भी बढ़ती रहीं, क्योंकि घरों की कीमतों में साल-दर-साल 7-19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डिजिटल रियल एस्टेट ट्रांजैक्शन और एडवाइजरी प्लेटफॉर्म PropTiger.com की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-NCR में कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई, जो साल-दर-साल 19 प्रतिशत और तिमाही-दर-तिमाही 9.8 प्रतिशत थी। दिल्ली-NCR में घरों की औसत कीमत Q3 2024 में 7,479 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर Q3 2025 में 8,900 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई।

किस शहर में कितना महंगा हुआ घर- PropTiger के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान मजबूत डिमांड के कारण भारत के टॉप 8 हाउसिंग मार्केट में कीमतों में 7-19 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। डेटा के मुताबिक, दिल्ली-NCR में कीमतों में सबसे ज्यादा 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिसका मुख्य कारण लग्जरी प्रॉपर्टीज और इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड के लिए मजबूत डिमांड थी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सैफ अली खान की बहन सबा सुल्तान अचानक पहुंची भोपाल, अब नवाब की संपत्तियां उम्मीद पोर्टल पर दर्ज होंगी

भोपाल। नवाब भोपाल की संपत्तियों और शाही औकाफ की मुतवल्ली सबा सुल्तान मंगलवार को अचानक शहर पहुंची। उन्होंने राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष से मुलाकात कर नवाब की संपत्तियों के प्रबंधन और उससे हुई आय से सामाजिक कार्यों में खर्च को लेकर चर्चा की। इस दौरान तय हुआ कि शाही औकाफ से जुड़ी संपत्तियां राज्य सरकार के उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराई जाएंगी। इसके साथ ही मक्का-मदीना की तीर्थयात्रा पर जाने वाले भोपालियों के रुबात की राह भी खुल सकेगी। सबा सुल्तान प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सैफ अली खान की बड़ी बहन हैं।

बोर्ड अध्यक्ष सनवर पटेल ने बताया कि सबा सुल्तान नए वक्फ बिल के संबंध में विस्तार से चर्चा करने पहुंची थीं। बोर्ड ने उन्हें 'उम्मीद पोर्टल' पर वक्फ संपत्तियों को दर्ज कराने का सुझाव दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया है। बताया गया कि इस बार शाही वक्फ बोर्ड की आय बढ़कर एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जो पहले 80 लाख रुपये हुआ करती थी। इस दौरान मदीना की रुबात से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बोर्ड ने बताया

कि इस दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम किया जा रहा है और जल्द ही समाधान निकलेगा। बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने कहा कि जल्द ही यह खुलासा किया जाएगा कि किन लोगों की वजह से मदीना की रूबात भोपाल वासियों के लिए बंद हुई थी, और उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शाही औकाफ की आय दोगुनी हुई

पत्रकारों से बातचीत में सबा सुल्तान ने कहा कि हमें मालूम है कि मदीना की रुबात को लेकर भोपाल वासियों में नाराजगी है, लेकिन वे इस पर काम कर रही हैं। उनका वीजा दो बार लगा, पर निजी कारणों से मैं नहीं जा सकी। जल्द ही मैं वहां जाऊंगी, सब ठीक होगा। उन्होंने बताया कि शाही औकाफ की पुरानी समिति में बदलाव कर नए लोगों को जिम्मेदारी दी गई है, जिससे अब कामकाज बेहतर हो रहा है। इस बार शाही औकाफ की आय दोगुनी हुई है, यह राशि संपत्तियों के संरक्षण, लड़कियों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च की जाएगी।

क्या है रुबात का विवाद

मक्का और मदीना जाने वाले यात्रियों के ठहरने और भोजन की निश्शुल्क सुविधा के लिए पुरानी मुस्लिम रियासतों ने संपत्तियां खरीदी थीं, जिन्हें रुबात कहा जाता है। भोपाल नवाब और शाही औकाफ ने वहां ऐसी ही संपत्ति बनाई थी। मदीने में 210 हाजियों के ठहरने की व्यवस्था है, जिनका चयन कुरा (लाटरी) द्वारा किया जाता है। औकाफ के उत्तराधिकार विवाद की वजह से पिछले चार वर्षों से यह निश्शुल्क सुविधा बंद है।

शाह की रणनीति को जमीन पर उतार रहे वीडी शर्मा, जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में शामिल

भोपाल। बिहार चुनाव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति को जमीनी स्तर पर उतारने में सांसद विष्णुदत्त शर्मा (वीडी शर्मा) अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में मुंगेर सीट मतदान से ठीक एक दिन पहले जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी संजय कुमार ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। बता दें कि मुंगेर सीट के प्रभारी वीडी शर्मा ही हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के एक दिन पहले जनसुराज पार्टी को बड़ा झटका लगा है।मुंगेर से जनसुराज उम्मीदवार संजय कुमार सोमवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों पर पूर्ण विश्वास रखते हैं और आगामी चुनाव में भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय चौधरी को विजयी बनाने के लिए काम करेंगे। इस घटनाक्रम को गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिसे मध्यप्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा (वीडी शर्मा) ने जमीन पर उतारा है। बताया जा रहा है कि संजय कुमार को भाजपा के पक्ष में लाने में वीडी शर्मा की प्रमुख भूमिका रही है।वीडी शर्मा मुंगेर, बेगूसराय और खगड़िया लोकसभा क्षेत्रों की 19 सीटों के प्रभारी हैं। वे पिछले 40 दिनों से लगातार बिहार में सक्रिय हैं, जहां वे बूथ मैनेजमेंट से लेकर मंडल और शक्ति केंद्र स्तर तक संगठनात्मक बैठकें कर रहे हैं। संजय कुमार के भाजपा में शामिल होने से मुंगेर सीट पर हष्ठ की स्थिति और मज़बूत मानी जा रही है, वहीं प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

मेट्रो निर्माण के दौरान डीआईजी बंगला चौराहे पर फूटी कोलार की मेन फीडर लाइन

भोपाल। शहर के डीआईजी बंगला चौराहे पर मंगलवार शाम अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब कोलार की मेन फीडर लाइन फूट गई। शाम करीब साढ़े पांच बजे मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान पोकलेन की बकेट जमीन के नीचे बिछी पाइप लाइन से टकरा गई, जिससे उसमें बड़ा छेद हो गया। देखते ही देखते पानी का तेज बहाव सड़क पर फैल गया और पूरा चौराहा तालाब में बदल गया।

पानी भरने से स्थिति बिगड़ी

घनी आबादी और भारी ट्रैफिक वाले इस क्षेत्र में पानी भरने से स्थिति और बिगड़ गई। सड़क पर घुटनों-घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। चारों ओर लंबा जाम लग गया और पुलिस को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। इसके बावजूद भी कई घंटे तक वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ी। सूचना मिलते ही जल कार्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कंट्रोल रूम से मेन फीडर लाइन को बंद कराया गया।

सुधारने में चार से पांच घंटे का समय लगा

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि पाइप लाइन को सुधारने में चार से पांच घंटे का समय लगेगा। देर रात तक सुधार कार्य जारी था। बताया जा रहा है कि ईंटखेड़ी में होने वाले इज्तिमा के मद्देनजर मेट्रो निर्माण कार्य को तेज गति से किया जा रहा है। इसी दौरान लापरवाही से यह घटना घटित हुई, जिससे न केवल ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई बल्कि आसपास के इलाकों में जल आपूर्ति पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

इंदौर में जिम में कसरत कर लौटे युवक की हार्ट अटैक से मौत

इंदौर। सुखलिया में रहने वाले संदीप सोनगरा की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। 32 वर्षीय संदीप मंगलवार को जिम में कसरत कर लौटा था। अचानक तबीयत खराब हुई और अस्पताल में दम तोड़ दिया। बाणगंगा पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस के अनुसार संदीप पुत्र श्याम सोनगरा की खातीपुरा में पान और अंडे की दुकान थी। वह नियमित कसरत करता था। मंगलवार रात करीब 9 बजे जिम से आया दुकान पर आया था।

उसने अंडा फ्राय कर खाया और कुछ देर बाद उसे एसिडिटी और जलन की शिकायत होने लगी। छोटा भाई प्रदीप बाइक से अस्पताल ले गया। संदीप की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और रास्ते में ही गिर गया। वह निजी अस्पताल ले गया लेकिन डॉक्टर ने अटैक के कारण मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पुलिस ने मर्ग कायम किया और शव का पोस्ट मार्टम करवाया है। पुलिस को स्वजन ने बताया संदीप नियमित जिम में वर्कआउट करता था। उसके दो बच्चे है।

नकली नोट मामले में खंडवा एसआईटी, मालेगांव पुलिस ने ली मौलाना जुबेर अंसारी समेत दो अन्य के घर की तलाशी

बुरहानपुर। नकली नोटों के साथ महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मौलाना जुबेर अंसारी, नाजिर अकरम और इसके मास्टर माइंड बताए जा रहे डा. प्रतीक नवलखे के घर की बुधवार को खंडवा एसआईटी और मालेगांव पुलिस ने तलाशी ली। डीएसपी खंडवा अनिल सिंह चौहान के नेतृत्व में शहर पहुंची टीम में जावर थाना

प्रभारी श्याम सिंह सहित आधा दर्जन से ज्यादा पुलिस अधिकारी शामिल थे।

टीम सबसे पहले दोपहर करीब 12 बजे मोमिनपुरा स्थित मौलाना जुबेर के घर पहुंची। इसके बाद प्रतीक नवलखे के घर की दो घंटे से ज्यादा समय तक तलाशी ली। अंत में नाजिर के मकान को खंगाला। तलाशी में टीम को क्या मिला, इसकी जानकारी देने से अधिकारियों ने इनकार कर दिया।

इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण का कार्य हुआ शुरू

कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्वयं मतदाताओं के घर पहुँचकर गणना प्रपत्र किया वितरित

इंदौर। इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत आज से घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शुरू हो गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने स्वयं मतदाताओं के घर पहुँचकर गणना प्रपत्र ?वितरित किए। उनके साथ अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पंवार नवजीवन विजय, एसडीएम श्री प्रदीप सौनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा आज सदर बाजार मेन रोड़ पर 95 वर्षीय मतदाता श्री वासुदेव वर्मा के ?निवास पर पहुँचे। यहाँ उन्होंने गणना प्रपत्र का अपने हाथों से वितरण किया और पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बारे में ?विस्तार से समझाइश दी। इस अवसर पर श्री वासुदेव वर्मा ने बताया कि यहाँ पाँच भाईयों का परिवार निवास करता है। सभी के नाम मतदाता सूची में हैं। हमें पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी है। हमने पहले से ही आवश्यक दस्तावेज की तैयारी कर रखी थी। जैसे ही आज हमें गणना प्रपत्र ?मिला, हमने सभी औपचारिकताएं पूर्ण की। मतदाता श्री वर्मा ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि कलेक्टर स्वयं मेरे घर आएंगे और गणना प्रपत्र स्वयं अपने हाथों से देंगे। मैं आज अभिभूत हूँ। उन्होंने अन्य मतदाताओं से भी अपील की, कि वे लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सहभागी बने। अपने घर आने वाले बीएलओ को सहयोग करते हुए सभी आवश्यक जानकारी दें।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने परिवार के अन्य सदस्यों से भी चर्चा की और उन्हें प्रक्रिया से अवगत कराया। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत आज से घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शुरू हो गया है। यह प्रक्रिया 4 दिसम्बर तक चलेगी। इसके लिए जिले में 2625 बीएलओ ?नियुक्त किए गए हैं। सभी बीएलओ को ट्रेनिंग दी गई है। बीएलओ द्वारा 4 दिसम्?बर तक घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम्?बर को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावा-आपत्तियों के आवेदन 9 दिसम्?बर से 8 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के सुनवाई और प्रामाणिकरण के बाद 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से शुद्ध मतदाता सूची पारदर्शी रूप से तैयारी की जाएगी। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम और दिए गए दिशा-निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नहीं और अपात्र का नाम जुड़े नहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति गौड़ को वीडियो कॉल कर दीं शुभकामनाएं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईसीसी महिला क्रिकेट-2025 विश्व विजेता भारतीय टीम की खिलाड़ी और मध्यप्रदेश की गौरव सुश्री क्रांति गौड़ से वीडियो कॉल पर चर्चा की और अभूतपूर्व जीत की बधाई दी। वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में छतरपुर की बेटी क्रांति गौड़ ने 4 विकेट लेकर जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की बेटियों ने वन-डे विश्व कप जीत कर इतिहास रचा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रांति को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल के मैदान में नई क्रांति का सूत्रपात किया है। पूरे देश और प्रदेशवासियों को विश्व विजेता बनीं बेटियों पर गर्व है। इस उपलब्धि में प्रदेश की बेटी की महत्वपूर्ण भूमिका से इस जीत का आनंद और बढ़ जाता है। क्रिकेट में मध्यप्रदेश का नाम रोशन करने वाली क्रांति गौड़ को जल्द ही एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की उभरती क्रिकेट स्टार क्रांति गौड़ के खेल की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपनी लगन और परिश्रम से बेटिया निरंतर आगे बढ़ती रहें और प्रदेश का नाम रोशन करें।

इंदौर जिले में बढ़ेगा प्राकृतिक खेती का रकबा

इंदौर। इंदौर जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके तहत जिले में प्राकृतिक खेती का रकबा बढ़ाया जाएगा और उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के साथ ही किसानों को उनके उत्पाद की मार्केटिंग और ब्रांडिंग में भी मदद दी जाएगी।

इस उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में कृषि विभाग, संबंधित संस्थाओं और प्राकृतिक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य

अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से उनके अनुभव साझा किये। उन्होंने किसानों द्वारा किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिया जाए तथा आवश्यकतानुसार उन्हें प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाए।

प्राकृतिक खेती उत्पादों की बिक्री की रहेगी विशेष व्यवस्था- कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि प्राकृतिक खेती उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार में विशेष व्यवस्था की जा रही है। सप्ताह के निर्धारित दो दिनों में प्राकृतिक खेती करने वाले किसान अपने उत्पाद यहां विक्रय कर सकेंगे।

शिक्षण कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध होगी कठोर कार्रवाई : कलेक्टर श्री वर्मा

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला शिक्षा केन्द्र समग्र शिक्षा अभियान की विभागीय समीक्षा बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में सम्पन्न हुयी। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत किये जा रहे विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षक बच्चों के मार्गदर्शक और भविष्य निर्माता है। इसलिए वे स्कूली पाठ्यक्रम समय पर पूरा करायें। गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। समय पर परीक्षाएं सम्पन्न कराएं। जो विद्यार्थी पढ़ाई में कमजोर है, उनके लिये अतिरिक्त रेमेडियल कक्षाएं सुनिश्चित करें। मेरिट में आने वाले प्रतिभाशाली छात्रों के लिए भी अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था करें। ?विद्यालयों में लैबोरेटरी को आधुनिक बनाया जाये। लायब्रेरी को अपडेट किया जाये। ?विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ विज्ञान से भी जोड़ा जाये। स्कूलों में आँखों की जाँच के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जायें। पात्र विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें, साइकिल, छात्रवृत्ति, लैपटाप आदि का वितरण निर्धारित समय पर ?किया जाये। शिक्षकों के पेंशन और वेतन संबंधी प्रकरणों का समय पर निराकरण करें। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शाला भवनों की साफ-सफाई, रंग-रोगन, फर्निचर, पानी, शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिये संबंधित अधिकारी मैदान पर जाकर लगातार कार्य करें और सतत मॉनीटरिंग करें।

इंदौर में फ़ास्ट फ़ूड पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हाल ही में इंदौर में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन अवसर पर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन, खाद्य औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए खातीपुरा में संचालित चिंटू मोमो का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर श्री दीपक चौरे होना बताया गया। परिसर में विभिन्न प्रकार के मोमोस बनाये जा रहे थे, जो कि इंदौर शहर में विभिन्न फ़ास्ट फ़ूड संचालकों को सप्लाई किये जाते हैं। परिसर में गंदगी पाई गई, रॉ मटेरियल का भंडारण उचित नहीं पाया गया, परिसर में अजिनो मोटो संग्रहित पाया गया। मौके पर उपस्थित प्रभारी वर्षा खराटे ने बताया कि उक्त अजिनोमोटो मोमोस में डाला जाता है। परिसर में खाद्य पदार्थ निर्माण हेतु आवश्यक वैध अनुज्ञप्ति नहीं पाई गई। परिसर में तैयार रखे 04 प्रकार के मोमोस, मोमोस में प्रयुक्त मसाला, अजीनोमोटो, तंदूरी मसाला एवं चीज़ के कुल 07 नमूने लिए गए तथा लगभग 150 किलोग्राम खाद्य पदार्थ जब्त किया गया। परिसर में संग्रहित बड़ी मात्रा में अजीनोमोटो से यह स्पष्ट है कि खाद्य पदार्थों में तय सीमा से अधिक अजीनोमोटो का उपयोग किया जा रहा है, जो की 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। वैध अनुज्ञप्ति न होने की स्थिति में तथा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिसर में खाद्य कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया एवं फैक्ट्री तत्काल प्रभाव से बंद कराई गई।

एक अन्य टीम की कार्यवाही में तहसीलदार श्री योगेश मेश्राम के साथ टीम ने इंदौर बायपास स्थित पपाया ट्री रेस्टोरेंट से पनीर एवं चना दाल के नमूने लिए गए। जुरू रेस्टोरेंट बायपास से पनीर, पनीर लबाबदार एवं सेवइयां के नमूने लिए गए। साथ ही राउ स्थित युडेल्लयूसी फूड प्राइवेट लिमिटेड जहां पर चिप्स का निर्माण एवं संग्रहण किया जाना पाया, से चिप्स एवं आलू पाउडर के नमूने लिए गए।

किसानों ने साफा पहनाकर कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति जताया आभार

इंदौर। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी आज कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई संपन्न हुई। इस बार की जनसुनवाई में एक अनूठा और प्रेरक दृश्य देखने को मिला। आमतौर पर जनसुनवाई में नागरिक अपनी शिकायतें और समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, लेकिन आज कुछ किसान अपनी समस्या नहीं बल्कि समाधान के प्रति आभार व्यक्त करने पहुंचे थे।

इंदौर जिले के सांवेर क्षेत्र से आए किसानों ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का साफा पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत-अभिनंदन किया। किसानों ने बताया कि हाल ही में सांवेर कृषि उपज मंडी में कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा उनकी समस्याओं का तत्परता से निराकरण किया गया था, जिसके लिए वे उनका आभार व्यक्त करने विशेष रूप से आए थे।

किसान श्री पदम सिंह सोलंकी और विक्रम सिंह सोलंकी ने बताया कि विगत दिनों कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सांवेर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अनेक समस्याएं सामने आई थी, जिनमें मंडी प्रांगण में स्वच्छता नहीं होने, किसानों के लिए रियायती दर पर भोजन की अनुपलब्धता, विश्राम गृह में व्यवस्था नहीं होने, आरओ प्लांट बंद होने की समस्या शामिल थी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने त्वरित निराकरण करते हुए मंडी प्रांगण की सफाई कराई। किसानों के लिए 5 रुपये की रियायती दर पर भोजन व्यवस्था शुरू करवाई। विश्राम गृह में किसानों के रूकने की व्यवस्था शुरू की गई। साथ ही शुद्ध पेयजल के लिए आरओ प्लांट शुरू करवाया गया। किसानों की मांग पर खरीदी का समय भी बढ़ाया गया। किसान कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की कार्यप्रणाली और तत्परता से अभिभूत हुए और आज वे अभिनंदन करने जनसुनवाई में आए।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

बेगमबाग में यूडीए की बड़ी कारवाई,15 मकान ढहाए

महाकाल मार्ग चौड़ा करने की तैयारी, 371 करोड़ की परियोजना से सुगम होगी मंदिर तक पहुंच

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 और महाकाल क्षेत्र के सुंदरीकरण को ध्यान में रखते हुए उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने बुधवार को बेगमबाग क्षेत्र में एक और बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण ने प्रशासन और पुलिस के सहयोग से भूखंड क्रमांक 26, 48 और 63 पर बने 15 मकानों को तोड़ दिया। इससे पहले यहां 26 निर्माणों को हटाया जा चुका है। अब केवल 19 मकान शेष हैं, जिनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं।

सुबह छह बजे से ही पुलिस और यूडीए का अमला मौके पर जुट गया था। नोटिस देकर खाली कराए गए मकानों को आठ बजे से गिराने की कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम एल.एन. गर्ग ने बताया कि बुधवार को प्लॉट 26 के दो, प्लॉट 48 के सात और प्लॉट 63 के छह मकान ढहाए गए।

महाकाल मार्ग होगा 24 मीटर चौड़ा

बेगमबाग क्षेत्र को महाकाल क्षेत्र विकास योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। यहां पाथवे, पार्किंग, ग्रीन बेल्ट और स्मार्ट लाइटिंग जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। हरिफाटक से महाकाल चौराहे तक का मार्ग 24 मीटर चौड़ा किया जाएगा, जिस पर करीब 14 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

इसके अलावा, 371 करोड़ रुपए की पुल परियोजना से महाकाल मंदिर तक पहुंचना और भी सुगम होगा। यह संपूर्ण क्षेत्र आगामी सिंहस्थ के दृष्टिगत प्रमुख आकर्षण बनेगा।

लीज निरस्त, अवैध निर्माण पर कार्रवाई

यूडीए अधिकारियों के अनुसार, बेगमबाग के कुल 28 भूखंडों की लीज 11 अक्टूबर 2023 को निरस्त की जा चुकी थी। ये लीज 1980 से पहले 30 वर्ष के लिए आवासीय उपयोग हेतु दी गई थीं, लेकिन बाद में इन पर होटल, दुकानें और रेस्टोरेंट बना लिए गए।

अब तक पांच बार कार्रवाई हो चुकी है

23 मई, 11 जून, 29 अगस्त, 11 सितंबर और 5 नवंबर को।

यूडीए अब तक 27 मकान गिरा चुका है, जबकि शेष पर न्यायालय में सुनवाई चल रही है।

इन प्लॉटों के निर्माण हुए ध्वस्त

प्लॉट नंबर 26- सैय्यद लियाकत अली, रोशनी बी।

प्लॉट नंबर 48- साजिद अहमद खां, रईस मोहम्मद, अब्दुल खलिक, मो. अय्यूब, मो. नासिर, अकीला बी, एजाज अहमद।

उज्जैन का माधव कॉलेज मध्य प्रदेश का पहला शासकीय कॉलेज जिसके सृजन फाउंडेशन को केंद्र ने कंपनी के रूप में पंजीकृत किया

युवा सशक्तिकरण, प्रशिक्षण पहलों, सहयोगी सामुदायिक परियोजनाओं के लिए नए अवसर पैदा होने की उम्मीद

उज्जैन। भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने उज्जैन के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय के बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर सृजन फाउंडेशन को सेक्शन 8 कंपनी के रूप में पंजीकृत किया है।

यह जानकारी देते हुए प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश की शासकीय एफिलिएटेड उच्च शिक्षा संस्थानों में उज्जैन का माधव कॉलेज पहली संस्था बना है, जिसे पंजीकृत किया गया है। इस पंजीयन से कॉलेज के विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने हेतु अवसर एवं सहायता उपलब्ध करवाई जा सकेगी। जो स्वरोजगार की दिशा में एक नई आशा की किरण जगाएगा, साथ ही सामुदायिक उत्थान और नवाचार की दिशा में यह कालेज की यात्रा की शुरुआत का एक सशक्त कदम सिद्ध होगा। माधव कॉलेज के बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर सृजन फाउंडेशन को कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है। सहायक रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज पीयूष दुबे द्वारा हस्ताक्षरित यह पंजीकरण, संस्था को अपनी सामाजिक पहलों और शैक्षिक कार्यक्रमों का विस्तार करने के लिए एक कानूनी पहचान प्रदान करता है। उज्जैन के प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय माधव कॉलेज इस कंपनी का पंजीकृत कार्यालय होगा, इस फाउंडेशन का उद्देश्य मध्य प्रदेश विशेषतः उज्जैन में शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना रहेगा।

मेवाती पंचायत ने पाड़ों पालक का अभिनंदन किया

उज्जैन। परंपरा को जीवंत रखते हुए रलायता में भोज खत्री वाली माता के दरबार में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पाड़ों की लड़ाई का विशाल आयोजन किया गया। यह अनूठा आयोजन लगभग 25 वर्षों से निरंतर होता आ रहा है और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।कार्यक्रम में दूर-दराज से उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों से, बड़ी संख्या में लोग पाड़ों की लड़ाई देखने पहुंचे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई वरिष्ठ पत्रकार नंदलाल यादव ने मानसिक दिव्यांग महिलाओं के बीच मनाया जन्मदिन

उज्जैन। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी नंदलाल यादव के जन्मदिन पर समाजसेवी संस्थाओं के साथ मिशनरीज ऑफ चैरिटी मदर टैरेसा की शारीरिक एवं मानसिक दिव्यांग महिलाओं के बीच यादव का जन्मदिन मनाया गया। नंदलाल यादव ने आश्रम में आश्रम में मानसिक दिव्यांगजनों को अपने हाथ से केक खिलाया। पश्चात स्वयं भोजन परोस कर सभी को स्नेहपूर्वक भोजन कराया। इस अवसर पर मिशनरीज ऑफ चैरिटी मदर टैरेसा की सिस्टर ऐलडा, सिस्टर लियान, समाज सेविका सरिता बेंद्रेले ने यादव को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए, ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की एवं आश्रम में मानसिक रूप से दिव्यांग महिलाओं के बीच जन्मदिन मनाने के लिए आभार व्यक्त किया। इस खास मौके पर पत्रकार अजय सिंह चौहान, पत्रकार जितेंद्र सिंह ठाकुर, राजवीर सिंह चौहान, सैय्यद रईस, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया, श्रवण राव, योगेंद्र, बंटी केलोदिया, अमर शंकर जोशी, चेतन राठौर, अजय नीमा, युवराज यादव, अनमोल यादव आदि मौजूद थे।

डाक विभाग में 45 वर्ष तक बिना एक भी अवकाश लिए सेवाएं देने वाले रतनसिंह आँजना (अलबेली सरकार) का किया अभिनंदन

ये सोशल मीडिया का जमाना, पहले साइकिल से, पैदल चिट्ठी बांटते थे पोस्टमेन

उज्जैन। उज्जैन के बड़नगर रोड पर आकासोदा ग्राम पंचायत क्षेत्र में बरसों से शासकीय पोस्ट ऑफिस प्रमुख बी ओ आकासोदा में शाखा डाकपाल के पद पर पदस्थ रतनसिंह आँजना अलबेली सरकार की सेवानिवृत्ति पर अधिकारी कर्मचारियों सहित आसपास के ग्रामवासियों द्वारा अभिनंदन किया गया। रतनसिंह आंजना ने डाक विभाग में 45 वर्ष तक बिना एक भी अवकाश लिये सेवाएं दी।

रतन सिंह आंजना अलबेली सरकार ने निरंतर शासकीय कार्य को बेहतर और अच्छे से किया और 45 वर्ष तक सेवा देने के बाद वे सेवा निवृत्त हुए। संयोग और वक्त ऐसा रहा कि उनका जन्मदिन भी उसी दिन रहा जिस दिन वह सेवा निवृत्त हुए। इस दौरान आकासोदा, असलाना, सेमदीया, बामोरा, वुचाखेडी उर्फ सवल पुर क्षेत्र में निवास करने वाले सैकड़ो आम नागरिक पहुंचे और शुभकामनाएं दी, बधाई दी और पुष्पमाला पहनाकर, पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। सभी आम नागरिकजनों ने कहा कि राधे राधे साहब सर पोस्ट मास्टर साहब, आपने हम सबके लिए वर्षों वर्ष तक सेवाएं दी। बेहतर और अच्छे से और हम सबके बीच में शासकीय कार्य और कामों को बेहतर और अच्छे से पूर्ण किया। इस दौरान पोस्ट ऑफिस विभाग डिओ सै अजय प्रभार अधीक्षक अजितजी, उप संभाग निरीक्षक मनोहर लाल भिलाला, मैल ओवर सीयस वलेडी एस ओ चंद्रसिंह एस पी एम और ग्रामीण डाक सेवक कर्मचारी और ग्रामीण आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आकासौदा के पदम सिंह आँजना (अलबेली सरकार) ने बताया कि शासकीय पोस्ट ऑफिस प्रमुख बी ओ आकासोदा में कई किलोमीटर क्षेत्र में करीब पांच गांव से ज्यादा आते हैं। यहां पर हजारों लोग निवास करते हैं और हर आम नागरिक को घर बैठे शासकीय योजनाएं और शासकीय कार्य और पारिवारिक काम सहित महत्वपूर्ण जानकारी सही समय पर, हर समय पर, हर वक्त, हर दौर में मिल सके उसी को लेकर सबसे प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण विभाग माना जाता है पोस्ट ऑफिस विभाग को। जहां आज इस समय इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया ने जगह बनाई है वहीं करीब 50 वर्ष पहले सबसे पहले पोस्ट ऑफिस के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को सर्वोपरि और बेहतर ही माना जाता था और हर आम नागरिक अपनी चिट्ठी पत्र जानकारी आने का इंतजार पोस्ट ऑफिस विभाग के शासकीय ऑफिस और पोस्टमैन सहित पोस्ट ऑफिस विभाग में सभी प्रमुख अधिकारियों से तालमेल दोस्ती और प्रेम रखते थे और काम करते हुए आवाज लगते थे।

श्री कोर्टयर्क देव को अन्नकूट भोग अर्पित कर किया प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

उज्जैन। श्री कोट्यर्क देव के प्राकट्य दिवस के उपलक्ष्य में कार्तिक सुदी बारस का अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। साथ ही समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेंद्र शाह, सचिव अशोक शाह, कोषाध्यक्ष सचिन शाह सहित संयोजक दीपक शाह, चिराग शाह के साथ वरिष्ठजन जितेंद्र गांधी, दिलीप शाह, दिनेश शाह, स्वप्निल शाह, पराग शाह, सुमीत शाह, वैभव शाह, कौशल शाह, स्नेहल शाह के साथ महिला मंडल द्वारा आकर्षक प्रतियोगिताएं कराई गई एवं बच्चों को पुरस्कार दिया गया। महिला मंडल में पारुल शाह, रीना शाह, दर्शना शाह, भावना नयना बेन गांधी, कोमल शाह, कृतिका शाह, माधुरी शाह, मीना शाह, हेतल शाह, अमी शाह, निशा गांधी विशेष रूप से उपस्थित थे। विशाल गांधी के अनुसार महोत्सव में नवीन कार्यकरणी के गठन करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें महिला वर्ग को वर्चस्व दिए जाने का प्रावधान किया गया। साथ ही शहर में होने वाली भागवतजी तथा वल्लभ जयंती के कार्यक्रमों में धूमधाम से सहभागिता एवं स्वागत का प्रस्ताव पास किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com